सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 258 | इंदौर, शनिवार 04 अप्रैल, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

अमेरिका ने जितना सोचा, सऊदी दूतावास को उससे भी भयंकर डैमेज कर गया ईरान!

नई दिल्ली, (एजेंसी) ईरान और अमेरिका के बीच चल रही तनातनी अब एक नए लेवल पर पहुंच गई है. असल में अमेरिका ने जितना सोचा था, उससे भी भयंकर तरीके से ईरान सऊदी दूतावास को डैमेज कर गया है. इस हमले के बाद दोनों देशों के बीच जो तनाव पहले से बना हुआ था, वह अब और भी ज्यादा गहरा गया है.

इस पूरी घटना का सच वॉल स्ट्रीट जर्नल (WSJ) की एक रिपोर्ट में सामने आया है. रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी दूतावास पर 3 मार्च को जो ड्रोन हमला हुआ था, उसमें पहले बताए गए नुकसान से कहीं ज्यादा तबाही हुई थी. यह हमला रात के करीब 1:30 बजे हुआ था, जब दो ईरानी ड्रोन दूतावास के सबसे सुरक्षित इलाके में जा घुसे. निशाना इतना सटीक था कि पहले ड्रोन ने दीवार से टकराकर जो छेद बनाया, दूसरा ड्रोन ठीक उसी रास्ते से अंदर घुस गया. इसके बाद वहां ऐसी भीषण आग लगी जो कुछ मिनटों नहीं, बल्कि कई घंटों तक धधकती रही.

इस हमले में दूतावास की तीन मंजिलों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा है, जिसमें एक 'CIA स्टेशन' भी शामिल बताया गया है. अधिकारियों का तो यहां तक कहना है कि दूतावास के कुछ हिस्से अब ऐसे हो चुके हैं जिन्हें दोबारा ठीक करना भी मुश्किल है. राहत की बात बस इतनी रही कि हमला रात के वक्त हुआ जब वहां कम लोग थे, वरना अगर यही हमला दिन के समय होता तो बहुत बड़ी तबाही हो सकती थी. उस वक्त वहां सैकड़ों कर्मचारी काम कर रहे होते और यह एक बड़ी जान-माल की हानि वाली घटना बन सकती थी.

हैरानी की बात यह है कि शुरुआत में इस हमले को बहुत मामूली बताया गया था और कहा गया था कि बस छोटी-मोटी आग लगी है. लेकिन अब सामने आई जानकारी पूरी तरह अलग तस्वीर पेश करती है. असल में बहुत सी बातें अब भी इस खबर में छिपी हुई हैं जो धीरे-धीरे सामने आ रही हैं. देखा जाए तो पिछले कुछ समय में मिडिल ईस्ट के अलग-अलग इलाकों में अमेरिका के कई दूतावासों और मिशनों को इसी तरह निशाना बनाया गया है. ईरान की तरफ से बढ़ रहे ये खतरे अब वाशिंगटन के लिए बहुत बड़ी सिरदर्दी बन चुके हैं.

कुल मिलाकर, सऊदी अरब में जो हुआ वो सिर्फ एक धमाका नहीं था, बल्कि अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़ी सेंध थी. अब जैसे-जैसे इस खबर की परतें खुल रही हैं, अमेरिका की चिंताएं भी बढ़ती जा रही हैं. आने वाले दिनों में देखना होगा कि इस बड़े डैमेज के बाद अमेरिका अपनी सुरक्षा रणनीति में क्या बदलाव करता है और इसका मिडिल ईस्ट की राजनीति पर क्या असर पड़ता है.

काशी में तीन दिवसीय 'विक्रमादित्य महानाट्य' का शुभारंभ

सीएम बोले-सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन का देता है संदेश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। काशी में तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ, जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इस अवसर पर सीएम डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य सुशासन, न्याय और राष्ट्र गौरव के प्रतीक रहे हैं, जिनके आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश में विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया दौर शुरू हुआ है। साथ ही, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना जैसे प्रयास राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। सीएम यादव ने कहा कि इस महानाट्य के माध्यम से युवा पीढ़ी को भारतीय इतिहास, परंपरा और सम्राट विक्रमादित्य के जीवन मूल्यों से परिचित कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान की शुरुआत की है, जिससे सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिलेगा।

ऐतिहासिक आयोजन : योगी

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस आयोजन को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि काशी और उज्जैन की सांस्कृतिक धारा को जोड़ने वाला यह आयोजन ऐतिहासिक है।

400 कलाकार भाग लेंगे

महानाट्य में करीब 400 कलाकारों ने भाग लेकर सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य, न्यायप्रियता और राष्ट्र प्रेम को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। भव्य सेट, आधुनिक लाइट-साउंड और जीवंत दृश्यों ने दर्शकों को प्राचीन स्वर्णिम युग की अनुभूति कराई। युद्ध के दृश्य, विक्रम-बेताल की कथाएं और सिंहासन बत्तीसी के प्रसंग विशेष आकर्षण रहे। कार्यक्रम स्थल पर मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जो दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी। आयोजन के दौरान जय महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य के जयकारों से माहौल गूंज उठा। यह महानाट्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास और संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है।

सोशल मीडिया बनी है युवाओं की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में सोशल मीडिया की मध्यप्रदेश टूरिज्म इनफ्लुएंसर मीट का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया वर्तमान समय में युवाओं की सबसे बड़ी ताकत बन गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने नई शिक्षा नीति से सनातन परंपरा के वैचारिक आधार को शिक्षा नीति में समाहित किया है। ऐसा करके युवाओं को सच्चे संस्कार के साथ विकास का अवसर दिया गया है। हमें विकास के साथ-साथ प्राचीन काल के गौरव और परंपराओं पर भी गर्व होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से हम बाबा विश्वनाथ के धाम में उज्जैन और मध्यप्रदेश के प्राचीन गौरव की झलक दिखा रहे हैं। सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, वीरता और धर्म परायणता हम सबको प्रेरित और गौरवान्वित करती है।

भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों में पोहा-चाय-समोसे महंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच मध्य प्रदेश पर असर पड़ा है। LPG की कमी और PNG की दरों में बढ़ोतरी ने आम आदमी के खाने का खर्च बढ़ा दिया है। इंदौर और जबलपुर में नाश्ते की चीजों के दाम बढ़ गए हैं, जबकि ग्वालियर और रीवा में ड्राई फ्रूट्स और पीने के पानी सहित हर चीज महंगी हो गई है।

इंदौर में '56 दुकान', सराफा बाजार और अन्य स्ट्रीट-फूड हब पर खाने-पीने की चीजों के दाम 1 से 10 तक बढ़ गए हैं। पोहा, चाय, समोसा, कचौरी और चाइनीज खाने महंगे हो गए हैं। इसका असर ग्राहकों की संख्या पर पड़ा है। भोपाल में बिरयानी-वेज बिरयानी के दाम बढ़ गए हैं।

इन कीमतों में बढ़ोतरी के बाद '56 दुकान' और सराफा बाजार की दुकानों पर ग्राहकों की संख्या में कमी देखी जा रही है। होटल और फूड स्टॉल संचालकों का कहना है कि खर्च बढ़ने की वजह से कीमतें बढ़ाना उनकी मजबूरी बन गई है। भोपाल में महंगाई का असर रोजमर्रा के खाने-पीने पर दिख रहा है। चाय 10 से 12 रुपए, थाली 80 से 100 रुपए, रोटी-बटर 12 से 15 रुपए, आनंद पोहा 15 से 17 रुपए और कचौड़ी-समोसा 15 से 17 रुपए हो गए। वेज बिरयानी 80 रुपए से 90 रुपए हो गई, जिससे आम लोगों का खर्च बढ़ा। दो लोगों के खाने का खर्च पहले 400-500 था, अब बढ़कर 700-800 हो गया है। सबसे ज्यादा असर मध्यम-वर्गीय परिवारों पर पड़ा है। लोग पहले हफ्ते में दो-तीन बार बाहर खाते थे, अब सिर्फ एक बार या उससे कम।इंदौर के 56 दुकान स्थित विजय चाट हाउस के संचालक मृदुल ठाकर ने बताया कि रॉ मटेरियल के दाम बढ़ने के कारण खाने की चीजों के दाम 1-3 रुपए बढ़ाना पड़ा है। मधुरम स्वीट्स के संचालक श्याम शर्मा ने कहा कि सभी वस्तुओं के दाम बढ़ने के कारण यहां 5-7 प्रतिशत बढ़ोतरी करनी पड़ी. जॉनी हॉट डॉग के संचालक ने बताया कि हॉट डॉग पहले 30 रुपए में था, अब 35 रुपए हो गया है। 56 दुकान पर पानी पुरी 30 रुपए की प्लेट अब 40 रुपए हो गई है।

रणजीत हनुमान मंदिर में 7 अप्रैल को भंडारा

● 80 हजार भक्तों के लिए तैयार होगी प्रसादी

इंदौर। इंदौर के प्राचिन रणजीत हनुमान मंदिर में 7 अप्रैल को भंडारा होगा। भंडारे को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। 80 हजार भक्तों के लिए प्रसादी तैयार की जाएगी। खासबात यह रहेगी कि ये चलित भंडारा होगा, यानी भक्त आकर पैकेट में प्रसादी लेकर अपने घर जा भी सकते या बाहर खड़े होकर खा भी सकते हैं। 6 अप्रैल को सुबह भट्टी पूजन के बाद प्रसादी बनने का काम मंदिर परिसर में ही शुरू हो जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव के बाद पहले मंगलवार को ये भंडारा किया जाता है। सालों से ये परंपरा चली आ रही है। इस बार 80 हजार भक्तों के लिए प्रसादी तैयार की जाएगी। पहले भंडारे का स्वरूप अलग हुआ करता था, मगर व्यवस्थाओं को देखते हुए इसके स्वरूप में बदलाव कर दिया गया है और इसे चलित कर दिया है। बता दें कि मंदिर में दो बार भंडारे का आयोजन किया जाता है। एक हनुमान जन्मोत्सव के बाद और दूसरा आंवला नवमी पर। कुछ साल पहले तक मंदिर परिसर के ग्राउंड में ही भक्तों को बैठाकर प्रसादी दी जाती थी। भक्तों के लिए बढ़िया बैठक व्यवस्था की जाती थी, जहां पर महिला व पुरुष

अलग-अलग बैठकर प्रसादी ग्रहण करते थे, जिसके कारण मंदिर के बाहर बहुत ज्यादा भीड़ लग जाती थी। कई बार धक्का-मुक्की की नौबत आ जाती थी। भक्तों को प्रसादी लेने के लिए काफी इंतजार करना पड़ता था, जिसे देखते हुए इस व्यवस्था में बदलाव कर दिया गया और चलित भंडारा शुरू हो गया। चलित भंडारे में भी महिला-पुरुषों की अलग-अलग लाइन लगती है। इसमें भक्त जैसे ही ग्राउंड परिसर में आते हैं उन्हें हाथ में थाली का पैकेट दे दिया जाता है, धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए उन्हें पुड़ी, सब्जी, भजिए, नुक्ति की प्रसादी थाली में दे दी जाती है, जिसके बाद वे पैकेट को बंद कर अपने साथ ले जा सकते हैं या परिसर के बाहर खड़े होकर खा भी सकते हैं। इस व्यवस्था से मंदिर के बाहर भीड़ नहीं लगती और प्रसादी लेने में भी भक्तों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ता है।

6 अप्रैल को भट्टी पूजन के साथ शुरू होगा प्रसाद बनना

पंडित दीपेश व्यास ने बताया कि 6 अप्रैल की सुबह भट्टी पूजन के साथ भंडारे की प्रसादी बनना शुरू हो जाएगी। अलग-अलग जगह से सब्जियां मंदिर परिसर में आएगी। जिसके बाद महिला मंडल की सदस्यों द्वारा सब्जियों को सुधारा जाएगा। सब्जियों की कटिंग की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ नुक्ति का प्रसाद बनना शुरू हो जाएगा। रामभाजी बनाई जाएगी। ये काम लगातार जारी रहेगा और भंडारे की सभी चीजें बनाई जाएगी। 7 अप्रैल को भगवान को भोग लगाने व आरती के बाद शाम 6.30 बजे से भंडारे की शुरुआत हो जाएगी।

संगीतमय सुंदरकांड और भजन संध्या ने बांधा समां

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। साईंकृपा कॉलोनी स्थित मंदिर वाटिका में श्री हनुमानजी प्राकट्य दिवस का आयोजन अत्यंत भव्य एवं दिव्य रूप में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, कार्यक्रम में जिसमें धर्म, संस्कृति और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

आयोजक समिति के आशीष सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कॉलोनी में सनातन धर्म संस्कृति को आत्मसात करते हुए महिला भजन मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया गया, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। साथ ही नई पीढ़ी को आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से कॉलोनी के लगभग 80 बच्चों ने मंच पर श्री हनुमान संकटमोचन पाठ की स्तुति प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। कार्यक्रम में नगर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जोन अध्यक्षा श्रीमती संगीता महेश जोशी, प्रतिनिधि महेश जोशी, करणी सेना अध्यक्ष ऋषिराज सिसोदिया, संदीप जोशी एवं केके झा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री हनुमानजी सेवा न्यास, साईंकृपा कॉलोनी द्वारा कॉलोनी की 8 वर्षों की धार्मिक यात्रा का विस्तृत वृत्तांत प्रस्तुत किया गया, जिससे अतिथियों को कॉलोनी की सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों की जानकारी मिली।

ट्रैफिक के लिए खोला रालामंडल बायपास का ब्रिज डेढ़ माह बाद फिर बंद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। रालामंडल बायपास पर तीन साल बाद बनकर तैयार हुआ ब्रिज अफसरों की लापरवाही और नाकामियों की वजह से फिर बंद कर दिया गया। पहले अफसरों ने ब्रिज से ट्रैफिक शुरू करने में जल्दबाजी दिखाई। आधे-अधूरे ब्रिज को बिना लोकार्पण के ही ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया और अब ब्रिज में तकनीकी गलतियां नजर आने पर उसमें तोड़फोड़ कर सुधार किया जा रहा है। ब्रिज की दोनों लेन बंद होने से फिर बायपास की सर्विस रोड पर यातायात बाधित हो रहा है। रालामंडल ब्रिज पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 40 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, लेकिन फिर भी ब्रिज ट्रैफिक के हिसाब से ठीक नहीं बना। इसकी एक भुजा की रेलिंग के कर्व को

ब्रिज की सड़क से आधा फीट ऊंचा बना दिया गया, जिससे टकराकर वाहन हादसों का शिकार हो सकते हैं। जब अफसरों को इस बात का अहसास हुआ तो लोकार्पण के तीन दिन बाद ही ब्रिज की तेजाजी नगर की तरफ जाने वाली भुजा बंद कर दी गई और रेलिंग के पास के हिस्से को तोड़ा गया। ब्रिज के एक हिस्से में कर्व फुटपाथ की तरह नजर आ रहे हैं और उसकी ऊंचाई भी ब्रिज पर असमान है, जबकि हाईवे के ब्रिजों पर सामान्यतः फुटपाथ नहीं बनाए जाते। कुछ समय बाद ब्रिज की दोनों लेन खोल दी गई, लेकिन चार दिन पहले फिर से दोनों भुजाएं ट्रैफिक के लिए बंद कर दी गईं। कभी थोड़ी देर के लिए ट्रैफिक के लिए खोल भी दिया जाता है। आपको बता दें कि रालामंडल पर छह लेन ब्रिज का काम तीन साल पहले शुरू हुआ था। इसकी समय सीमा एक साल थी, लेकिन दो साल की देरी से यह ब्रिज बना, फिर भी उसमें खामियां रह गईं। 9 फरवरी को ब्रिज ट्रैफिक के लिए खोला गया था, लेकिन अब फिर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। इससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है और सर्विस रोड पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ गया है। इस ब्रिज को डेढ़ माह पहले ट्रैफिक के लिए तो खोल दिया गया, लेकिन तब लोड टेस्ट नहीं हो पाया था। अब लोड टेस्ट के बाद ब्रिज ट्रैफिक के लिए खोला जाएगा। टेस्ट के दौरान तय मात्रा में ब्रिज पर लोड रखा जाएगा और फिर ब्रिज कितना भार वहन कर सकता है, इसका आंकलन किया जाएगा। माना जा रहा है कि दस अप्रैल से पहले टेस्ट हो जाएगा। इस बीच ब्रिज के अन्य तकनीकी सुधार भी कर लिए जाएंगे। इसके बाद ब्रिज को पूरी तरह ट्रैफिक के लिए खोला जाएगा।

तेज होगा पीएनजी का विस्तार, वार्ड-वाइज बनेगा एक्शन प्लान

इंदौर। प्रदेश के शहरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन बढ़ाने के लिए प्रशासन ने प्रक्रिया तेज कर दी है। केंद्र के निर्देश के बाद राज्य स्तर पर अब नगर निगमों और जिला प्रशासन को वार्डवार एक्शन प्लान बनाकर तय समय में काम पूरा करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। शहरों में पहले यह चिह्नित किया जाएगा कि किन क्षेत्रों में पहले से पाइपलाइन नेटवर्क उपलब्ध है। ऐसे इलाकों को प्राथमिकता में रखते हुए घर-घर कनेक्शन देने का अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए नगरीय निकाय वार्ड स्तर पर लक्ष्य तय करेंगे और

उसी आधार पर काम आगे बढ़ेगा। नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में केंद्र सरकार ने यह तैयार करने के निर्देश दिए हैं। पीएनजी प्रोजेक्ट में अब सबसे बड़ा बदलाव मंजूरी प्रक्रिया में होगा। नगर निगम और संबंधित विभागों के बीच सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया जाएगा। सड़क खुदाई, पाइपलाइन बिछाने और कनेक्शन देने की अनुमति एक ही प्रक्रिया में मिलेगी। इससे लंबित फाइलें और देरी कम होगी। काम की निगरानी के लिए हर जिले में प्रशासनिक स्तर पर टीम बनाई जाएगी। कलेक्टर और नगर निगम अधिकारियों की सीधी निगरानी में रोजाना प्रगति रिपोर्ट तैयार होगी। तकनीकी प्लेटफार्म के जरिए काम की ट्रैकिंग होगी। राज्य में पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए नगर निकायों को जागरूकता अभियान चलाने होंगे। साथ ही, पाइपलाइन कनेक्शन के लिए प्रशिक्षित प्लंबर और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि काम में रुकावट न आए।

● इन क्षेत्रों पर रहेगा फोकस

1. जहां पाइपलाइन पहले से मौजूद है।
2. बड़ी आवासीय कालोनियां और ग्रुप हाउसिंग।
3. हास्टल, कैंटीन और संस्थान।
4. नए विकसित हो रहे शहरी क्षेत्र।

यूपी से आकर करता था चोरी की वारदातें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने अपने इलाके में हो रही चोरियों का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य को पकड़ा है। आरोपी उत्तर प्रदेश से इंदौर आकर अपने साथियों के साथ चोरी की वारदात करता था। आरोपी से उसके साथियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। डीसीपी आनंद कल्याणदगी की टीम ने उत्तर प्रदेश के शाहनवाज खान को पकड़ा है। आरोपी ने अन्नपूर्णा इलाके में अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात की थी। पुलिस ने इस मामले में अभी तक दो चोरियों के बारे में उससे जानकारी ली है, जिनमें एक चोरी पान संचालक के यहां हुई थी। आरोपी ने अपने साथी के साथ यहां से करीब 25 तोला सोना चुराया था। हालांकि, पुलिस शाहनवाज से अभी पूछताछ कर रही है।

‘डॉक्टर राव’ निकला फर्जी... क्लिनिक सील

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। पाटनीपुरा मेन रोड स्थित एक कथित क्लिनिक पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। यहां बिना मेडिकल डिग्री के मरीजों का इलाज करने और खासतौर पर बवासीर के मरीजों से पैसे वसूलने का आरोप था।

पाटनीपुरा स्थित “राव दवाखाना” के खिलाफ पहली शिकायत 2023 में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को की गई थी। इसके बाद सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में भी मामला उठाया गया, लेकिन करीब तीन साल तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। करणी सेना के संगठन मंत्री मानसिंह राजावत ने बताया कि हमारे कार्यालय पर शिकायतकर्ताओ ने आकर पूरी जानकारी दी। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष सहेंद्र सिंह दीक्षित, प्रदेश महासचिव मनीष सिंह सिसौदिया सहित अन्य कार्यकर्ता यहां पहुंचे। कलेक्टर शिवम वर्मा को मौके से कॉल लगाया इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दवाखाने को सील कर दिया। शिकायतकर्ताओं के अनुसार आरोपी खुद को “डॉक्टर राव” बताकर मरीजों का इलाज कर रहा था, जबकि उसके पास कोई वैध मेडिकल डिग्री नहीं थी। इससे मरीजों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा था। करणी सेना ने मांग की है कि ऐसे फर्जी डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में मरीजों की जान से खिलवाड़ न हो।

खेत में गुलाब तोड़ने जा रहा था युवक, तेंदुए ने किया हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तेंदुए की आवाजाही और हमलों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला सुल्लाखेड़ी गांव का है। यहां रहने वाले अर्जुन पिता मांगीलाल शुक्रवार सुबह 9 बजे अपने खेत में गुलाब के फूल तोड़ रहे थे। तभी अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया, जिसमें अर्जुन के एक हाथ और चेहरे पर नाखूनों के निशान लग गए।

अर्जुन ने जोर-जोर से मदद के लिए चिल्लाना शुरू कर दिया। इस बीच खेत में काम कर रहे परिवार के लोग और आसपास के खेतों के किसान उसे बचाने पहुंचे। यह देख तेंदुआ भाग गया। इसके बाद किसान प्रहलाद रघुवंशी अर्जुन को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल लाए, जहां उसे भर्ती किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पहले भी तेंदुआ देखा जा चुका है। इससे पहले इंदौर बायपास की एक टाउनशिप में भी तेंदुआ देखा गया था।

वहीं, एमवाय अस्पताल में खरगोन से एक युवक को सर्जरी के लिए लाया गया। काम के दौरान उसके गले में 12 एमएम का सरिया घुस गया था और वह गले के आर-पार हो गया था। सरिया मस्तिष्क और ऑक्सीजन सप्लाई करने वाली नस के बेहद करीब घुसा था। एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों ने तीन घंटे की सर्जरी कर 30 वर्षीय सद्दाम की जान बचा ली। सर्जरी इसलिए काफी जटिल थी कि यदि ऑपरेशन के दौरान किसी भी हिस्से को नुकसान पहुंचता तो मरीज लकवे का शिकार हो सकता था, लेकिन सावधानीपूर्वक सरिया निकाल लिया गया। अब मरीज की हालत खतरे से बाहर है।

नवविवाहिता ने जहर खाने के बाद तोड़ा दम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। द्वारकापुरी इलाके में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। 25 वर्षीय दीक्षा मकवाना ने घर में जहर खा लिया, जिसके बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पुलिस के मुताबिक श्रद्धासबूरी कॉलोनी निवासी दीक्षा पत्नी जीत मकवाना ने गुरुवार को घर में जहर खा लिया। पति उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता राजकुमार, जो देपालपुर क्षेत्र के सगदोड़ गांव के निवासी हैं, ने पति जीत मकवाना, सास-ससुर पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शादी में कम दहेज मिलने और अन्य मांगों को लेकर दीक्षा को लगातार ताने दिए जाते थे। पिता के अनुसार, चार दिन पहले भी विवाद हुआ था, जिसके बाद वह बेटी को समझाने इंदौर आए थे। उन्होंने ससुराल पक्ष को समझाइश दी थी, लेकिन गुरुवार को बेटी के जहर खाने की सूचना मिल गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि दीक्षा को जबरन जहर खिलाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। दीक्षा की शादी 2022 में हुई थी। परिवार में पति, सास-ससुर, दो ननद और डेढ़ साल का बेटा है।

फार्म हाउस पर पुलिस की रेड

पिस्टल-कारतूस बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर के पास खुडैल थाना क्षेत्र में पुलिस ने देर रात कार्रवाई करते हुए एक फार्म हाउस पर छापा मारकर अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

डीएसपी उमाकांत चौधरी के मुताबिक 3 अप्रैल की रात ग्राम गढ़ी स्थित अनुभूति फार्म हाउस में संदिग्ध गतिविधियां की जानकारी मिली थी। इस पर पुलिस टीम रात करीब 1:15 बजे मौके पर पहुंची तलाशी शुरू की। यहां जांच में सामने आया कि फार्म हाउस की संचालक अर्चना सिंह द्वारा वहां ठहरे लोगों की सूचना थाने में नहीं दी गई थी। साथ ही आने-जाने वाले व्यक्तियों की एंट्री के लिए कोई विजिटिंग रजिस्टर भी नहीं रखा गया था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी सुरजभान सिंह (38) पुत्र प्रेमपाल सिंह राघव राजपुत निवासी किराडी सुलेमान नगर थाना अमन विहार दिल्ली को पकड़ा। उसकी स्कॉर्पियो कार नंबर DL-4C/BD/3562 की तलाशी ली। इसमें से एक अवैध पिस्टल और दो जिंदा राउंड बरामद किए गए। सुरजभान फार्म हाउस में शराब था। इस मामले में फार्म हाउस संचालक अर्चना सिंह पर भी नियमों के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की गई है।

महू-इंदौर रोड पर फर्नीचर व्यापारी को लूटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। पिगडंबर रोड पर एक फर्नीचर कारीगर के साथ देर रात लूट की वारदात हो गई। बाइक से महू से लौट रहे युवक पर तीन बदमाशों ने हमला कर उसे घायल कर दिया और मोबाइल-पर्स लूटकर फरार हो गए।

घटना राऊ-किशनगंज मार्ग की बताई जा रही है। बालदा कॉलोनी निवासी 38 वर्षीय संजय यादव महू के यादव मोहल्ला से रात करीब 11 बजे इंदौर लौट रहे थे। रास्ते में तीन बदमाशों ने सामने से डंडा मारकर उन्हें गिरा दिया। इसके बाद मारपीट कर उनका मोबाइल और पर्स छीन लिया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण संजय करीब दो घंटे तक सड़क पर बेहोश पड़े रहे। देर रात करीब 1:30 बजे होश आने पर किसी तरह घर पहुंचे और पत्नी को घटना की जानकारी दी। इसके बाद डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई और इलाज कराया गया। पीड़ित के मुताबिक तीनों आरोपी बाइक पर थे। हमला अचानक हुआ, जिससे वह आरोपियों को पहचान नहीं पाए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसी थाना क्षेत्र में 5 दिन पहले भी कार सवार युवकों-युवतियों के साथ लूट की वारदात हो चुकी है। लगातार हो रही घटनाओं से इलाके में दहशत का माहौल है।

टोल-फ्री नंबर 155-334 पर करें कॉल

नि:शुल्क शव-वाहन सेवा शुरू, सरकारी अस्पतालों से घर तक परिवहन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में शोकाकुल परिवारों की सुविधा के लिए नि:शुल्क शव-वाहन सेवा शुरू की गई है। यह सेवा सभी सरकारी अस्पतालों में उपचार के दौरान मृत्यु होने की स्थिति में लागू होगी।

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई इस सेवा के तहत टोल-फ्री नंबर 155-334 जारी किया गया है। इस नंबर पर कॉल कर शव-वाहन बुलाया जा सकता है। सीएमएचओ डॉ. माधव प्रसाद हसानी के अनुसार, यह सुविधा जिले के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) सहित अन्य शासकीय अस्पतालों में उपलब्ध रहेगी। इस सेवा के तहत मृतक को सम्मानपूर्वक परिजनों को सुपुर्द कर उनके निवास स्थान, मुक्तिधाम या कब्रिस्तान तक नि:शुल्क पहुंचाया जाएगा। यह सुविधा जिले की सीमा के भीतर लागू रहेगी। यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए राहतकारी मानी जा रही है, जिससे उन्हें कठिन समय में परिवहन का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

गैस एजेंसी से जुड़ा कर्मचारी करीब 30 घरों से खाली सिलेंडर लेकर फरार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर में गैस की किल्लत के बीच बाणगंगा क्षेत्र से ठगी का अनोखा मामला सामने आया है। एक गैस एजेंसी से जुड़ा कर्मचारी करीब 30 घरों से खाली सिलेंडर लेकर फरार हो गया। आरोप है कि उसने ये सिलेंडर ब्लैक में बेच दिए। मामले में एजेंसी संचालक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक वल्लभ नगर निवासी 65 वर्षीय संतोष मिश्रा ने शिकायत दर्ज कराई है। उनका गैस पाइंट नाम से गोदाम है, जहां मुकेश सोनोने पिछले 15 साल से काम कर रहा था। आरोप है कि मुकेश घर-घर जाकर ग्राहकों को भरोसे में लेता था और कहता था कि उनका नंबर आ गया है, वह जल्द भरा सिलेंडर दे देगा। इस बहाने उसने करीब 30 ग्राहकों से खाली टंकियां ले लीं। सिलेंडर लेने के बाद आरोपी ने किसी भी ग्राहक को भरी टंकी नहीं दी। जब ग्राहकों की शिकायतें आने लगीं तो एजेंसी संचालक ने मुकेश से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला। घर पर भी वह नहीं मिला। बताया जा रहा है कि 22 मार्च से ही वह एजेंसी पर आना बंद कर चुका था। शिकायत में आरोप है कि आरोपी ने एजेंसी से जुड़े सिलेंडरों को अन्य लोगों को ब्लैक में बेच दिया। करीब 30 पीड़ितों से जानकारी जुटाने के बाद एजेंसी संचालक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गैस नहीं मिलने पर कुछ दिन पहले पीड़ित ग्राहक एजेंसी के गोदाम पहुंचे और हंगामा किया। इसके बाद एजेंसी ने अपने ही कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी मुकेश सोनोने के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

'महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का किया शुभारंभ

उज्जैन प्राचीन काल से है समय गणना और खगोल विज्ञान का वैश्विक केंद्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन धर्म की नगरी होने के साथ विज्ञान की भी नगरी है। उज्जैन की माटी में विज्ञान, गणित, खगोल और ब्रह्मांड चिंतन सदियों से विद्यमान है। उज्जैन काल गणना का केंद्र रहा है, जहां प्राचीन काल में सूर्य की छाया से समय नापने की कला विकसित हुई।

प्राचीन भारतीय भूगोल के अनुसार उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है और इसे पृथ्वी का मध्य बिंदु माना जाता था। ग्रीनविच के वैश्विक मानक के अस्तित्व में आने से सदियों पहले शून्य देशांतर रेखा पावन नगरी उज्जैन से होकर गुजरती थी। जब पश्चिम में खगोल शास्त्र का ज्ञान भी नहीं था तब उज्जैन के ज्योतिषी और विद्वान काल गणना कर नक्षत्रों की स्थिति बता रहे थे। जब दुनिया समय को परिभाषित करना सीख रही थी तब यहां महर्षियों ने खगोलीय गणनाओं का वैश्विक मानक स्थापित कर लिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे विद्वानों और विशेषज्ञों का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने उज्जैन साइंस सेंटर का लोकार्पण और तारा मंडल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ एवं अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के लिए 4 लेन उज्जैन बायपास और 'सम्राट विक्रमादित्य - द हेरिटेज' परियोजना का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर विचारक एवं समाजसेवी श्री सुरेश सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान के अनुसार ब्रह्मांड की हर वस्तु समय के अधीन है, लेकिन शिव उस अनंत का प्रतीक हैं, जहां से समय जन्म लेता है और जहां समय का अंत होता है। इसीलिए वे काल के अधिष्ठाता अर्थात 'मास्टर ऑफ टाइम' हैं। विज्ञान मानता है कि समय और अंतरिक्ष एक दूसरे से अविभाज्य हैं, हमारे शास्त्रों में युगों पहले शिव को विश्व स्वरूप और महाकाल कहकर इसी वैज्ञानिक सत्य को प्रतिपादित किया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हम सब के लिए गौरव का विषय है कि उज्जैन को साइंस सिटी के रूप में स्थापित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से आज 15 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमें केंद्र सरकार का भी सहयोग निरंतर प्राप्त हो रहा है। वास्तव में यह अपनी वैज्ञानिक विरासत को पुनर्जीवित करने का सशक्त प्रयास है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए हो रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस नीति की भावना के अनुरूप युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है।

स्टॉप डेम में डूबे मासूम की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

मुरैना, एजेंसी। जिले के चिन्नौनी थाना क्षेत्र के खेरली पचोखरा के पास बने स्टॉप डेम में शुक्रवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसा हो गया। पचोखरा गांव से लौटते समय स्टॉप डेम की संकरी दीवार से गुजरते वक्त एक 8 वर्षीय बालक का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में समा गया। बेटे को डूबता देख उसे बचाने के लिए मां ने भी डेम में छलांग लगा दी। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने मां को तो सकुशल बाहर निकाल लिया, लेकिन मासूम की डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, खेरली गांव निवासी करण सिंह जाटव का 8 वर्षीय पुत्र प्रांशु अपनी मां ममता के साथ पचोखरा गांव गया था। दोनों गांव के बीच आवाजाही के लिए ग्रामीण स्टॉप डेम के ऊपर बनी महज दो फीट चौड़ी दीवार का उपयोग शार्टकट के रूप में करते हैं।

मध्यप्रदेश की हाई कोर्ट की शरण में पहुंचे राहुल गांधी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। हाईकोर्ट में राहुल गांधी ने एक याचिका दायर की है। इसके जरिए भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय सिंह के मानहानि परिवाद पर एमपी-एमएलए कोर्ट भोपाल के विशेष मजिस्ट्रेट द्वारा जारी समन व केस निरस्त करने की मांग की गई है। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ इस मामले में एक सप्ताह बाद सुनवाई करेगी।

राहुल गांधी ने याचिका में भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान द्वारा दायर मानहानि केस को चुनौती दी है। कार्तिकेय सिंह ने एमपी-एमएलए कोर्ट में मानहानि का केस दायर कर कहा है कि 2018 में राहुल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उस समय झाबुआ में हुई चुनावी सभा में राहुल गांधी ने एक भाषण के दौरान कथित तौर पर पनामा पेपर्स लीक का जिक्र करते हुए शिवराज सिंह चौहान और उनके बेटे कार्तिकेय का नाम लिया था। राहुल गांधी ने तुलना करते हुए कहा था कि पाकिस्तान में नवाज शरीफ पर कार्रवाई हुई, लेकिन मध्य प्रदेश में ऐसा नहीं हुआ। इस बयान को लेकर कार्तिकेय सिंह चौहान ने इसे अपनी छवि को नुकसान पहुंचाने वाला बताते हुए मुकदमा दायर किया है। इसी मामले में राहुल गांधी को समन जारी किया गया है।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र से नौकरी पाने वाली परियोजना अर्थशास्त्री बर्खास्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सिवनी, एजेंसी। जिला पंचायत सिवनी में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है, जहां फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे 16 वर्षों से नौकरी कर रही एक महिला संविदा अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंजली शाह ने 31 मार्च को आदेश जारी करते हुए परियोजना अर्थशास्त्री (संविदा) वंदना मुड़िया की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं।

साथ ही इनके खिलाफ थाना-डूंडासिवनी में धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज करने पत्र लिखा गया है। 2 अप्रैल को जिला पंचायत का पत्र लेकर लिपिक एफआईआर दर्ज कराने पुलिस थाना डूंडासिवनी पहुंचा था।

लेकिन सीईओ द्वारा एफआईआर दर्ज कराने अधिकृत किए गए अधिकारी व विस्तृत जांच प्रतिवेदन उपलब्ध ना होने के कारण संबंधित लिपिक को डूंडासिवनी पुलिस ने वापस लौटा दिया था। थाना प्रभारी चैनसिंह उइके ने बताया कि जिला पंचायत द्वारा अधिकृत व्यक्ति को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा गया है। सभी दस्तावेज प्राप्त होने पर संबंधित के खिलाफ संबंधित धाराओं एफआईआर दर्ज की जाएगी।

वन्यजीव विभाग में 8125 पद खाली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश में साल 2026 में 3 महीनों में 14 बाघों की मौत हो चुकी है। पिछले साल 55 की जान गई थी। इस स्थिति के पीछे की वजह यह है कि प्रदेश में वन अमले में भारी कमी है। 31 प्रतिशत अधिकारी-कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं। जंगलों में मैदानी अमला नहीं होने से जानवरों की सुरक्षा और देखभाल का संकट खड़ा हो गया है। वन विभाग की 31 मार्च को जारी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कुल 26,079 पदों में से 8,125 पद खाली हैं। 1 जनवरी 2026 की स्थिति में विभाग में करीब 18 हजार अधिकारी-कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जो मौजूदा जंगलों और वन्य जीवों के हिसाब से पर्याप्त नहीं हैं। विभाग में आईएफएस, एसएफएस से लेकर महावत, भृत्य और दफ्तरी स्तर तक के अधिकारी-कर्मचारियों की कमी बनी हुई है।

ट्रैक्टर में करंट... साड़ी में आग महिला और बच्चा जिंदा जले

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शिवपुरी, एजेंसी। जिले में शुक्रवार सुबह भूसा लेने जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई। हादसे में एक महिला और 7 साल का बच्चा जिंदा जल गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला और एक पुरुष गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

कोलारस थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर के मुताबिक, राजस्थान के बारां जिले के खेड़ली गांव में रहने वाला बंजारा परिवार हर साल की तरह इस बार भी कोलारस में भूसा खरीदने आया था। ये लोग खेतों में डेरा डालते हैं और गांव-गांव घूमकर भूसा खरीदते हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिये एक जगह इकट्ठा करते हैं। बाद में बड़ी मात्रा में भूसा बेचकर मुनाफा कमाते हैं। बताया जा रहा है कि सुबह टोल टैक्स के पास बने बंजारा डेरे से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली भूसा खरीदने के लिए निकले थे। आगे चल रहा ट्रैक्टर देहरदा गांव से कच्चे रास्ते से होते हुए डोडयाई गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान ट्रॉली में लगे लोहे के पाइप हाईटेंशन लाइन से टकरा गए, जिससे करंट फैल गया। ट्रैक्टर पर विनोद बंजारा पिता रंजीत बंजारा (27), लीला बाई बंजारा पति विनोद बंजारा (30), केसर बाई पिता मेंबर बंजारा और 7 साल का अनिल पिता मेंबर बंजारा सवार थे। करंट से लीला बाई की साड़ी में आग लग गई। इसकी चपेट में मासूम अनिल भी आ गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं विनोद और केसर बाई करंट के झटके से ट्रैक्टर से दूर जा गिरे, लेकिन उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पीछे चल रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली सवारों ने मौके पर पहुंचकर लीला बाई की सुलगती लाश को वहीं छोड़ दिया। बाकी तीनों को ट्रॉली में डालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने 7 साल के अनिल को भी मृत घोषित कर दिया। विनोद और केसर बाई का इलाज जारी है।

संपादकीय

32 साल की कानूनी जंग और 61 मुकदमों का एक साथ अंत

देश की सर्वोच्च अदालत ने एक ऐसे तलाक की मंजूरी दे दी जो कि 32 साल पुराना केस था। इस मामले में कुल 61 जगहों पर मामले दर्ज किए गए थे। 1994 से चल रहे तलाक के मुकदमे की जस्टिस बीवी नागरत्ना और उज्ज्वल भुयान की बेंच ने सुनवाई की। इस मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए लंबे समय से अलग रह रहे पति-पत्नी के तलाक को मंजूरी दे दी। यह केस अवमानना के रूप में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। हालांकि, इसी साल जनवरी-फरवरी में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद इसे जल्द निपटारा करने का भरोसा दे दिया था। यह मामला अवमानना कार्यवाही के रूप में सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा था, लेकिन इस वर्ष जनवरी और फरवरी में हुई सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने समाधान की संभावना तलाशने के लिए दोनों पक्षों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की। इसके बाद न्यायालय द्वारा सुगम बनाई गई एक सुनियोजित वार्ता प्रक्रिया शुरू हुई, जो अंततः आपसी सहमति से तलाक की मांग करने वाले संयुक्त आवेदन में शामिल हुई। अदालत में दोनों पक्षों की उपस्थिति दर्ज करते हुए, पीठ ने गुरुवार को जारी अपने आदेश में इस बात पर जोर दिया कि समझौता बिना किसी दबाव या अनुचित प्रभाव के, उनकी स्वतंत्र इच्छा से हुआ था। इसके बाद अदालत ने समझौते की शर्तों की जांच की और उन्हें स्वीकार करने में कोई कानूनी बाधा नहीं पाई। समझौते के अनुसार, पति को पत्नी को 1 करोड़ रुपये का स्थायी गुजारा भत्ता देना होगा, साथ ही लोनावला स्थित संपत्ति में उसका हिस्सा पंजीकृत उपहार विलेख के माध्यम से हस्तांतरित किया जाएगा। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को रजिस्ट्री में जमा 90 लाख रुपये जारी करने का निर्देश दिया, जिससे समझौते की वित्तीय शर्तें पूरी हो गईं। इस समझौते में दोनों पक्षों के बीच सभी विवादों के पूर्ण समाधान को भी सुनिश्चित किया गया। इसमें यह दर्ज किया गया कि वैवाहिक संबंध से उत्पन्न सभी भूतपूर्व, वर्तमान और भविष्य के दावे समाप्त हो गए हैं, और कोई भी पक्ष दूसरे के खिलाफ कोई भी दीवानी या आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं करेगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने एक कदम आगे बढ़ते हुए दोनों पक्षों के बीच लंबित सभी 61 मामलों को रद्द कर दिया, जिनमें आपराधिक शिकायतें, घरेलू हिंसा की कार्यवाही, रिट याचिकाएं, अवमानना याचिकाएं और निचली अदालतों, उच्च न्यायालयों और यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर अपीलें शामिल थीं। समझौते के अनुलग्नक में पिछले कई वर्षों में शुरू की गई 61 अलग-अलग कार्यवाही सूचीबद्ध हैं, जो कानूनी लड़ाई के व्यापक पैमाने को दर्शाती हैं।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

कफन

परशुराम ने मर्यादा से कड़ी आवाज में कहा, "दहलीज में रूक जाओ।"

मर्यादा ने पूछा, "ऐसा क्या हो गया कि मुझे दहलीज में रुकने के लिए कह रहे हो। मुझे छूत लग गया क्या?"

"तुम्हें घर के अंदर आने से पहले यह बताना होगा कि इतने दिनों से कहा और किसके साथ थी। अब यहां कैसे और किसके साथ आई हो?", परशुराम ने पूछा।

मर्यादा बोली, "इन बातों को पूछने का बाद में समय नहीं मिलेगा क्या?"

परशुराम कहने लगे, "नहीं, तुम्हें अभी जवाब देना होगा। हम दोनों साथ में ही नदी से बाहर निकले थे। तुम मेरे पीछे चल रही थी, लेकिन अचानक कहां चली गई थी?"

दुखी आवाज में मर्यादा बोलने लगी, "आपने देखा नहीं था कि वहां अचानक नागा पंथ के साधुओं का हुजूम आ गया था। सारे लोग इधर-उधर दौड़ रहे थे। तभी मुझे धक्का लगा और मैं न जाने किस दिशा में चली गई। जैसे ही थोड़ी भीड़ कम होने लगी, मैंने आपको खूब पुकारा। "

"अच्छा तब क्या हुआ", परशुराम ने पूछा।

आप कहीं भी नहीं दिखे, तो मैं रोने लग गई। संध्या तक वहीं बैठी। फिर एक लड़के ने आकर मुझसे पूछा कि तुम खो गई हो? मैंने जैसे ही हां कहा, तो उसने मुझसे घर का पता और पति का नाम पूछकर एक डायरी में लिख लिया। फिर मुझे कहा कि तुम्हें घर तक हम पहुंचा देंगे। बस तुम अभी मेरे साथ चलो। मेरे पास कोई रास्ता भी नहीं था, तो मैं उसके साथ चल दी।

परशुराम ने एकदम पूछा, "वो तुम्हें कहां ले गया और वो कौन था?"

मर्यादा बोली, "वो एक समिति का सेवक था, जो मुझे अपने कार्यलय लेकर गया था। वहां उनका अध्यक्ष और कई सारे स्वयं सेवक थे। उन्होंने मेरा पता एक रजिस्टर में लिखा और एक घर में भेज दिया, जहां खोई हुई कई सारी महिलाएं थीं।"

परशुराम ने सवाल किया, "तुमने उस अध्यक्ष से तभी क्यों नहीं कहा कि मुझे घर भेज दीजिए?"

मर्यादा ने कहा, "मैंने कई बार उनसे मुझे घर पहुंचाने के लिए कहा, लेकिन वो बार-बार यही कहते थे कि मेला खत्म होने के बाद वो सारी महिलाओं को एकसाथ ही घर भेजने की व्यवस्था करेंगे। इसकी वजह पैसे और लोगों की कमी थी। मैंने उन्हें कहा कि मेरे गहने ले लीजिए और घर पहुंचा दीजिए। इन गहनों के अलावा भी मैं और ज्यादा पैसे दे सकती हूं। बस मुझे मेरे पति के पास तक पहुंचा दो, लेकिन उन्होंने मेरी एक न सुनी और मुझे भी अन्य स्त्रियों के बारे में जब पता चला तो थोड़ा राहत मिल गई थी।"

परशूराम बोले, " ठीक है, लेकिन तुमने मुझे तार क्यों नहीं लिखवाया?"

मर्यादा ने बताया कि मैं पूरी रात उन महिलाओं के साथ उसी कमरे में थी। अगले दिन मैंने सोचा कि जब ये लोग मुझे घर भेज ही देंगे, तो तार की क्या जरूरत।

फिर परशुराम पूछने लगे, "रातभर सारी महिलाएं एक ही कमरे में थीं, तो कमरे में युवक भी आते-जाते रहे होंगे?"

मर्यादा ने जवाब दिया, "नहीं-नहीं, केवल एक बार कोई युवक खाने के लिए पूछने आया था। जब सबने खाना खाने से मना कर दिया, तो वो लौट गया। उसके बाद एक महिला के पेट में दर्द उठा था, तो अध्यक्ष साहब दो-तीन बार दवा पिलाने कमरे में आए थे।"

झट से परशुराम ने कहा, "देखो अब निकली न असली बात। मैं इन लोगों को खूब अच्छे से जानता हूं।"

मर्यादा नाराज होते हुए बोलती है, "आप किसी सज्जन व्यक्ति पर ऐसे आरोप नहीं लगा सकते हैं। वो मेरे पिता जी के उम्र के थे। दूसरा उनकी आंखें हमेशा नीचे रहती थीं।"

परशुराम बोले, "हां, वहां के सारे आदमी देवता थे। तुम ये बताओ कि अगले दिन क्या हुआ?"

मर्यादा ने कहा, "अगले दिन भी मैं वहीं रही। दिन के समय एक स्वयंसेवक हम सभी महिलाओं को कई पवित्र स्थल लेकर गए। लौटकर सबने खाना खाया।"

परशुराम ने पूछा, "तुम वहां महिलाओं के साथ आनंद लेती रही? मेला तो अगले दिन ही खत्म हो गया होगा न? खाना खाने के बाद तो गाना-बजाना भी हुआ होगा?"

मर्यादा ने बताया, "नहीं, गाना-बजाना तो नहीं हुआ, लेकिन सारी महिलाएं अपने दुख के बारे में बात करती रहीं। शाम को मेला उठा, तो उसके बाद दो सेवक सारी महिलाओं को स्टेशन लेकर गए।"

परशुराम बोले, "तुम तो यहां सातवें दिन आई हो और वो भी अकेली ही।"

मर्यादा बोली, "हां, स्टेशन में कुछ दुर्घटना हो गई थी, जिस वजह से देरी हो गई।"

परशुराम ने कहा, "क्या हुआ था?"

मर्यादा ने बताया कि जैसे ही वो सेवक टिकट लेने गया, तो एक आदमी ने कहा कि गोपीनाथ धर्मशाला में एक इंसान ठहरा हुआ है, जिसकी पत्नी खो गई है। उसने जैसा हुलिया बताया वो मुझसे मिलता था। उस आदमी ने मुझे देखकर कहा कि आप उनकी पत्नी जैसी लग रही हैं।

मैंने उससे पूछा कि क्या तुम बाबूजी को पहचानते हो? उसने जवाब दिया, मैं उनको नहीं जानता, तो आपको क्यों खोजता? आपका बच्चा काफी रो रहा है। तब सारी औरतों ने कहा कि चली जाओ, तुम्हारे पति परेशान हो रहे होंगे। उन स्वयं सेवकों ने उस व्यक्ति से दो-तीन बातें पूछकर मुझे उसके साथ भेज दिया।

दिल खुश था कि अब अपने परिवार से मिलूंगी, लेकिन मेरा भाग्य ऐसा कि मैं किसी गलत इंसान के हाथ पड़ गई।

परशुराम ने हैरान होकर पूछा कि आखिर कौन था वो, जिसके साथ तुम चली गई?

मर्यादा ने कहा कि मुझे लगा कि वो कोई दलाल ही रहा होगा।

मर्यादा ने बताया कि उसने पहले मुझे एक तांगे पर बैठने को कहा और फिर एक तंग गली से किसी मकान में ले गया। उसने फिर कहा कि तुम्हारे बाबूजी यही आएंगे।

फिर मुझे लगा कि उसने मुझे झांसा दिया है। कुछ देर बाद एक बुढ़िया आई और मुझे लालच देने लगी। पूरी रात मैं रोती ही रही। अगले दिन बुढ़िया ने कहा कि तुम रोकर मर भी जाओगी, तो भी तुम्हारी मदद के लिए कोई नहीं आएगा। उस झाड़ू मारने वाले और बुढ़िया ने कहा कि तुम्हारा एक घर छूट गया है। अब हमारी बात मान लो, तो तुम सोने से लद जाओगी। तभी मैंने स्वयं को खत्म करने का निर्णय ले लिया।

परशुराम ने मर्यादा को रोकते हुए कहा कि ठीक है! मैंने मान लिया कि तुमने अपने सतीत्व को खत्म होने नहीं दिया, लेकिन मैं तुम्हें अपना नहीं सकता हूं।

मर्यादा ने कहा कि स्वामी आप ऐसा मत कहिए। मैं आपकी वही पहले वाली पत्नी हूं। मुझे किसी ने छुआ भी नहीं है। आपका ऐसा करना मेरे साथ अन्याय होगा।

परशुराम ने कहा कि यह अन्याय नहीं, बल्कि भगवान का खेल है। मैं छह दिनों से यही सब सोच रहा हूं। मुझे समाज की चिंता नहीं है, लेकिन तुम पर किसी दूसरे की नजर पड़ी। अब मैं तुम्हें कैसे अपनी पत्नी के भाव से देखूंगा।

परशुराम ने सवाल किया कि तुमको इतना होश नहीं हुआ कि उसे कह दूं कि बाबूजी को यहीं भेज दो?

मर्यादा ने तुरंत बोली, "मेरी बुद्धि काम ही नहीं कर रही थी।"

"अब तुम फिजूल की बातें मत करो और यह बताओ कि वो आदमी तुम्हें कहां ले गया?", परशुराम बोले।

मर्यादा, "मुझे लज्जा आती है, क्या बताऊं आपको।"

परशुराम, "तुम्हें तो यहां आने पर और भी लज्जा आनी चाहिए।"

मर्यादा बोलने लगी, "देखिए, मुझे किसी ने छुआ तक नहीं है। भगवान की कसम खाकर कहती हूं।"

परशुराम ने पूछा कि क्या तुम उसका चेहरा कैसा था बता सकती हो?

मर्यादा ने बताया, " वो छोटे कद का गहरे रंग का आदमी था। लंबा सा कुर्ता पहना हुआ और गले में ताबीज भी थी।"

परशुराम ने कहा, "अरे! वो तो धर्मशाला में झाड़ू देने वाला था। मैंने उसको तुम्हारे खोने की जानकारी दी थ। उसने इस बात का इस तरह से फायदा उठाया।"

मर्यादा बोली कि वो तो ब्राह्मण जैसा लग रहा था।

परशुराम कहने लगे, "नहीं-नहीं वो मेहतर यानी झाड़ू देने वाला ही था। वो तुमको अपने घर लेकर गया था?"

मर्यादा बोलने लगी, "क्या आपको मेरी स्थिति पर दया बिल्कुल भी नहीं आती है?"

परशुराम ने कहा, "घृणा के स्थान पर दया बिल्कुल भी नहीं आ सकती है। मैं जीवन भर के लिए तुम्हारा खर्च उठाऊंगा, लेकिन अब तुम्हें अपने साथ नहीं रख सकता हूं। किसी गैर पुरुष के साथ एक क्षण रहने से भी पतिव्रत पूरी तरह नष्ट हो जाता है।"

मर्यादा ने पूछा, "तुम्हारी यही इच्छा है कि मैं यहां से हमेशा के लिए चली जाऊं?"

परशुराम ने कहा कि हां, मेरी अंतिम इच्छा यही है। मर्यादा बोली, "ठीक है फिर, लेकिन क्या तुम मुझे वासुदेव को अपने संग ले जाने दोगे?"

परशुराम बोल पड़े, "बिल्कुल नहीं, वो मेरा बेटा है।"

मर्यादा ने पूछा, "क्या मैं उसे आखिरी बार देख सकती हूं। अपने बेटे को प्यार कर सकती हूं?"

परशुराम ने जवाब दिया, "मेरा मन तो नहीं है, लेकिन तुम्हें मन हो, तो दूर ही से देख लो।"

मर्यादा ने कहा, "ठीक है। अब जाने दो। सोच लूंगी कि मेरा कोई बेटा ही नहीं था और मैं विधवा हूं। आज से भाग्य मुझे जहां ले जाएगा मैं वही जाऊंगी।"

कहानी से सीख

विपरित परिस्थिति में किसी भी गैर पर यूं ही भरोसा नहीं कर लेना चाहिए। अपनी आंख और कान के साथ ही बुद्धि का भी उपयोग करना चाहिए।

New Delhi

कुएं में गिरी कार, एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत

नासिक, (एजेंसी) नासिक से 40 किमी दूर दिंडोरी तालुका के शिवाजीनगर इलाके में शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे एक भयानक हादसा हो गया. यहां 'इंदौरे' गांव के दरगोड़े परिवार के 9 सदस्यों की उस समय दर्दनाक मौत हो गई, जब एक मारुति एक्सएल कार कुएं में गिर गई.

दिंडोरी के शिवाजीनगर के राजे बैंक्वेट हॉल में वडजे क्लासेस की तरफ से वार्षिक समारोह आयोजित किया गया था. जहां इंदौरे गांव से सुनील दत्तात्रेय दरगोड़े अपने परिवार के बच्चों को इस इवेंट में लेकर आए थे. इवेंट के बाद दिंडोरी से दरगोड़े परिवार कार से घर लौट रहा था, तभी ड्राइवर का कंट्रोल खो गया और कार सड़क किनारे पानी से भरे कुएं में गिर गई.

हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासन, पुलिस,

समाजसेवी, नगर पंचायत की फायर ब्रिगेड, पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत बचाव का काम शुरू किया गया. चूंकि कुआं पूरी तरह से पानी से भरा हुआ था, इसलिए राहत के काम में बड़ी रुकावटें आईं. आधी रात को दो क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला गया.

इस हादसे में कार से 9 लाशें निकाली गईं, जबकि कार से निकलकर कुएं में डूबी एक लड़की की लाश ढूंढने के लिए स्पेशल ऑपरेशन चलाया गया. हादसे में मरने वालों की पहचान सुनील दत्तात्रेय दरगोड़े (उम्र 34), उनकी पत्नी रेशमा सुनील दरगोड़े (30), बेटी राखी उर्फ गुणवंती (10) और दो भतीजी माधुरी अनिल दरगोड़े (13), श्रवणी अनिल दरगोड़े (11) के रूप में हुई है. इसके अलावा इस हादसे में आशा अनिल दरगोड़े (32), उनके बेटे श्रेयश अनिल दरगोड़े (11), बेटी सृष्टि अनिल दरगोड़े (14) और भतीजी समृद्धि राजेश दरगोड़े (7) की भी मौत हो गई. फिलहाल दिंडोरी पुलिस ने एक्सीडेंट का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है.

New Delhi

दिल्ली के बदरपुर में कुख्यात बदमाश 'गंजा' का एनकाउंटर

75 से ज्यादा अपराधों में था वॉन्टेड

नई दिल्ली, (एजेंसी) राजधानी दिल्ली के बदरपुर इलाके में दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। शुक्रवार देर रात पुलिस और एक बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में दिल्ली का कुख्यात मोहम्मद सलीम उर्फ 'गंजा' पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि नासिर और दानिश पहलवान गैंग का सक्रिय सदस्य मोहम्मद सलीम किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से बदरपुर इलाके में आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस की एक स्पेशल टीम ने उसके आने से पहले ही इलाके में जाल बिछाकर घेराबंदी कर दी। जैसे ही सलीम वहां आया, पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। खुद को घिरता देख उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जिसमें एक गोली सलीम के पैर में लगी और वह वहीं गिर पड़ा। पकड़ा गया आरोपी मोहम्मद सलीम उर्फ 'गंजा' दिल्ली पुलिस के लिए लंबे समय से सिरदर्द बना हुआ था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सलीम पर हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, चोरी और सेंधमारी जैसे 75 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह 20 से अधिक गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार चल रहा था। वह दिल्ली के चर्चित गैंगस्टर सलीम पहलवान की हत्या में भी मुख्य रूप से शामिल रहा है। वर्तमान में वह नासिर और दानिश पहलवान गिरोह के लिए काम कर रहा था और इलाके में अपना खौफ पैदा कर रहा था।

Tamil Nadu

केरलम में शशि थरूर के काफिले पर हमला, बीच सड़क पर घेरी गाड़ी, गनमैन को भी पीटा

कोच्चि, (एजेंसी) केरलम के मलप्पुरम जिले के वंडूर इलाके में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ बदसलूकी का एक गंभीर मामला सामने आया है. यूडीएफ उम्मीदवार ए.पी. अनिल कुमार के पक्ष में चुनाव प्रचार करने जा रहे शशि थरूर के वाहन को अज्ञात हमलावरों ने न केवल रोका, बल्कि उनके सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट भी की. पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया है. थरूर की टीम के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब वे दो वाहनों के काफिले में यात्रा कर रहे थे. शशि थरूर पहले वाहन में सवार थे. अचानक दो कार में सवार होकर आए करीब 8 लोगों ने बीच सड़क पर थरूर की गाड़ी को जबरन रुकवा लिया. चश्मदीदों के मुताबिक, हमलावरों ने गाड़ी को आगे बढ़ने से रोका और कार के शीशों को जोर-जोर से पीटना शुरू कर दिया. जब स्थिति बिगड़ती देख शशि थरूर के गनमैन ने बीच-बचाव करने और रास्ता साफ कराने की कोशिश की, तो उपद्रवियों ने उस पर भी हमला कर दिया. गनमैन के साथ धक्का-मुक्की और हाथापाई की गई.

New Delhi

तारागिरी युद्धपोत नौसेना के बेड़े में शामिल

नयी दिल्ली, (एजेंसी) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मजबूत और सक्षम नौसेना को समय की जरूरत बताते हुए कहा है कि भारतीय नौसेना महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों, 'चोक पॉइंट्स' और राष्ट्रीय हितों से से जुड़े डिजिटल ढांचों की सुरक्षा कर रही है जिससे भारत जिम्मेदार समुद्री शक्ति के रूप में पहचान बना रहा है।

प्रोजेक्ट 17 ए श्रेणी के चौथे अत्याधुनिक स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस तारागिरी को शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में श्री सिंह की उपस्थिति में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। आधुनिक नौसैनिक जहाज निर्माण का उत्कृष्ट उदाहरण यह नवीनतम स्टील्थ फ्रिगेट, लगभग 6,670 टन के वजन के साथ, युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया है और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के सहयोग से बहु-भूमिका अभियानों के लिए निर्मित किया गया है।

खेल

पंजाब का आईपीएल में दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज

2022 के बाद चेन्नई लगातार दो ओपनिंग मैच हारी

चेन्नई, (एजेंसी) पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच विकेट से हराकर लगातार आईपीएल 2026 का दूसरा मुकाबला जीत लिया। वहीं, सीएसके लगातार दूसरे मैच में हार गई। शुक्रवार को चेपॉक में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने आयुष म्हात्रे (73) और शिवम दुबे (45*) की दमदार पारियों की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 209 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 210 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

आईपीएल इतिहास में यह पंजाब किंग्स का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा। इससे पहले टीम ने पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 262 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल किया था। वहीं, चेन्नई 2022 के बाद लगातार दूसरा ओपनिंग मैच हारी है।

210 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की तरफ से कप्तान श्रेयस अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, प्रियांश आर्या ने 39 रनों की आतिशी पारी खेली। पंजाब की शुरुआत दमदार रही। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 4.2 ओवर में 61 रन जोड़े। प्रियांश ने सिर्फ 11 गेंदों का सामना करते हुए 354 के स्ट्राइक रेट से 39 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान तीन चौके और चार छक्के लगाए। वहीं, प्रभसिमरन ने 34 गेंदों में 43 रन बनाए। कूपर कोनोली ने 22 गेंदों में छह चौकों की मदद से 36 रन बनाए। हालांकि, नेहल वढेरा ने अपने प्रदर्शन से निराश किया और वह 10 रन बनाकर मैट हेनरी का शिकार बने।

कप्तान श्रेयस अय्यर एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने इस सीजन का पहला अर्धशतक लगाया। अय्यर 29 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में अय्यर ने 4 चौके और 3 छक्के लगाए। अय्यर के आउट होने के बाद शशांक सिंह और मार्कस स्टोइनिस ने पंजाब किंग्स को कोई और झटका नहीं लगने दिया। शशांक छह गेंदों में 14 और स्टोइनिस तीन गेंदों में नौ रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाकर लौटे। गेंदबाजी में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से मैट हेनरी और अंशुल कंबोज ने दो-दो विकेट निकाले।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 209 रन बनाए। संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज सात रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे ने दूसरे विकेट के लिए 96 रन जोड़े। ऋतुराज 22 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, आयुष ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंदों में 73 रनों की दमदार पारी खेली। कार्तिक शर्मा ने एक बार फिर निराश किया और वह एक रन ही बना सके।

सिनेमा

रामायण के टीजर से शुरू हुआ इंडियन सिनेमा का मिशन इंटरनेशनल! ग्लोबल धमाका करने आ रही हैं ये फिल्में

नमित मल्होत्रा की रामायण का टीजर सिर्फ इंडिया ही नहीं, दुनिया भर में खूब चर्चा बटोर रहा है. रणबीर कपूर के राम हों या शानदार स्केल और स्पेशल इफेक्ट्स... रामायण के टीजर ने ये झलक दिखा दी है कि ये कहानी भारतीय संस्कृति से जरूर निकल रही है, मगर इसका टारगेट इंटरनेशनल ऑडियंस है. हॉलीवुड में लंबे समय से एक्टिव नमित मल्होत्रा कई बड़ी इंटरनेशनल फिल्मों के लिए ऑस्कर जीत चुके हैं. रामायण को नमित इस एम्बिशन के साथ तैयार कर रहे हैं कि भारत की संस्कृति से जुड़ी एक कहानी ग्लोबल ऑडियंस को दिखानी है. इस पहाड़ जैसे लक्ष्य को साधने चले नमित का पहला कदम रामायण का टीजर है. मगर इंडियन कहानियों को इंडियन सिनेमा के स्टाइल में इंटरनेशनल सिनेमा तक पहुंचाने की नीयत 2026 में भारतीय सिनेमा की थीम बनने जा रही है. रामायण के साथ ही और भी कई बड़े प्रोजेक्ट इसी थीम पर बन रहे हैं. KGF स्टार यश ने अपनी अगली फिल्म को इंटरनेशनल स्केल देने के लिए डायरेक्टर गीतू मोहनदास से हाथ मिलाया है. टॉक्सिक के टीजर से ही सामने आ चुका है कि इस गैंगस्टर कहानी को ट्रीटमेंट और प्रेजेंटेशन के लेवल पर इंटरनेशनल ऑडियंस को इंप्रेस करने के लिए बनाया जा रहा है.

Highlights

1. SC panel fast-tracks Supernova project revival in Noida
2. Raghav Chadha refused to speak on LPG crisis, could join BJP: AAP
3. What is the trick route that an Indian ship took to bypass Strait of Hormuz chokehold?
4. Iran mission buys 40-tonne medicines using donations, unable to send them home
5. 200-yr-old rare manuscript written in Devanagari script found in Ayodhya
6. Shashi Tharoor's convoy blocked, security member attacked in Kerala

Apple Studio Display is still the benchmark, even if time has caught up

NEW DEIHI, (Agency). A gap of four years, but the basics don't change. That is clearly the premise with which Apple has gone about this display refresh. The 2026 iteration of the Apple Studio Display retains the core display technology, which in 2022 was effortlessly resetting the benchmark much further with future proofing in mind, and that continuity is now being complimented to upgrades and changes elsewhere. Could you have imagined a time that a monitor being connected with a Mac, would require an update that's greater than 2GB in size? That's exactly where the Studio Display (2026) began when connected to the Mac Studio setup.

One of the biggest generational upgrades, of course borne by the passage of time between the two iterations, is the Apple Studio Display (2026) is now powered by an A19 chip, the one seen in the iPhone 17 and the iPhone 17e. This display's more powerful sibling, the Apple Studio Display XDR, in fact finds its beating heart in the A19 Pro chip, that also does duties in the iPhone 17 Pro and the iPhone Air. Think about it, the Apple Studio Display has a chip thats more powerful than the MacBook Neo. But why, you may be wondering, does an accessory that's essentially an external display, need such powerful processing capabilities?

I am not entirely sure about the core configuration of the A19 chip in the latest generation Studio Display (this doesn't require neural processing smarts, for instance) , but there are key reasons why its been structured this way (its an upgrade from the predecessor's A13 chip). First, more image processing power, higher memory bandwidth, and a better graphics foundation for a display that is supposed to handle 120Hz refresh rates. Secondly, the Center Stage camera is certainly an upgrade in the truest sense for video meeting quality. The addition of the Desk View feature, which is more a top-down view processed by the Center Stage camera in case you're not using an iPhone for that, does require a fair amount of processing power.

Gemma 4 imbibes Google's sharpest AI instincts, and is more welcoming

NEW DEIHI, (Agency). Even as Google releases the Gemma 4, its open large language models, there is a short historical significance to it. These models find the same technological and research foundations as the Gemini 3 Pro models, released late last year, and marked a big step forward for proprietary large language models. Gemma 4 brings those improvements for open models, with a focus on advanced reasoning and agentic workflows. It is natively trained on over 140 languages.

Gemma 4, with four being the generation reference in the name, is available in four model sizes as well. There's the Effective 2B (E2B), Effective 4B (E4B), 26B Mixture of

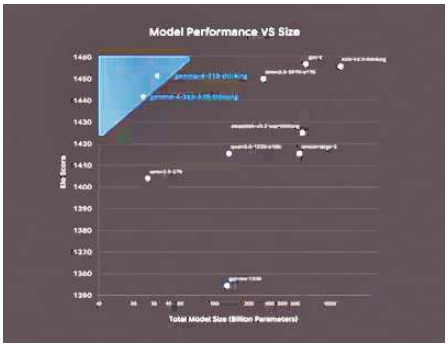

Experts (MoE), and 31B Dense. The 26B and 31B models are geared for frontier intelligence, with offline compute on personal systems. The smaller parameter size E2B and E4B models are more geared for smartphones, mobile devices, and internet of things (IoT) ecosystems, as well as edge devices, including the Raspberry Pi, and Nvidia's Jetson.

In case you are wondering how Gemma is different from Gemini, the key difference is that Gemma is an AI processing engine, and not a chatbot-esque implementation. While the underlying technology is largely similar, Gemma is an open model that can be downloaded and run locally for free. It also brings much more flexibility to modify, fine-tune, and customise, depending on specific workflows and computing needs. The fact that these models can be run locally and not on the cloud also has the benefits of data privacy and cost, for many applications.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?
I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक